>

Title: Need to increase the minimum support price for rice crop in the country.

श्री के.डी. देशमुख (बालाघाट): महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद देता हूं। भारत कृषि प्रधान देश है और 80 परसेंट आबादी गांवों में रहती है। देश में किसान आत्महत्या कर रहे हैं। किसान कर्ज में डूब गया है। फसल नष्ट होने, प्राकृतिक आपदा ओला और पाला जैसी घटनाओं से किसान परेशान है, हताश है। देश में बढ़ती कमर तोड़ महंगाई, बिजली, पानी, डीजल, खाद, बीज, कीटनाशक दवाओं, खेतिहर मजदूरों की मजदूरी और औजार आदि सामानों में अप्रत्याशित वृद्धि जारी है।

बढ़ती महंगाई में लागत के मुकाबले किसानों के द्वारा उपजाई गई खरीफ फसलों के उचित समर्थन मूल्य में वृद्धि किया जाना जनहित में अति आवश्यक है। देश में हर वस्तु के मूल्य में काफी वृद्धि हो चुकी है। परंतु केवल किसानों के द्वारा उपजाई गई उपज के मूल्यों में वृद्धि नहीं हो रही है, जिसके कारण पूरे देश के किसान त्राहिमाम कर रहे हैं।

अतः मैं सरकार से मांग करता हूं कि जनहित में तथा किसानों के हित में आगामी समय में देश में धान की फसल का उचित समर्थन मूल्य घोषित किया जाए और मैं समझता हूं कि धान का समर्थन मूल्य कम से कम दो हजार रुपये प्रति क्विंटल होना चाहिए।